

मनोज
चित्र
कथा
संख्या 174
कातिल खिलौने
मनोज
कॉमिक्स
Vijay Kadam

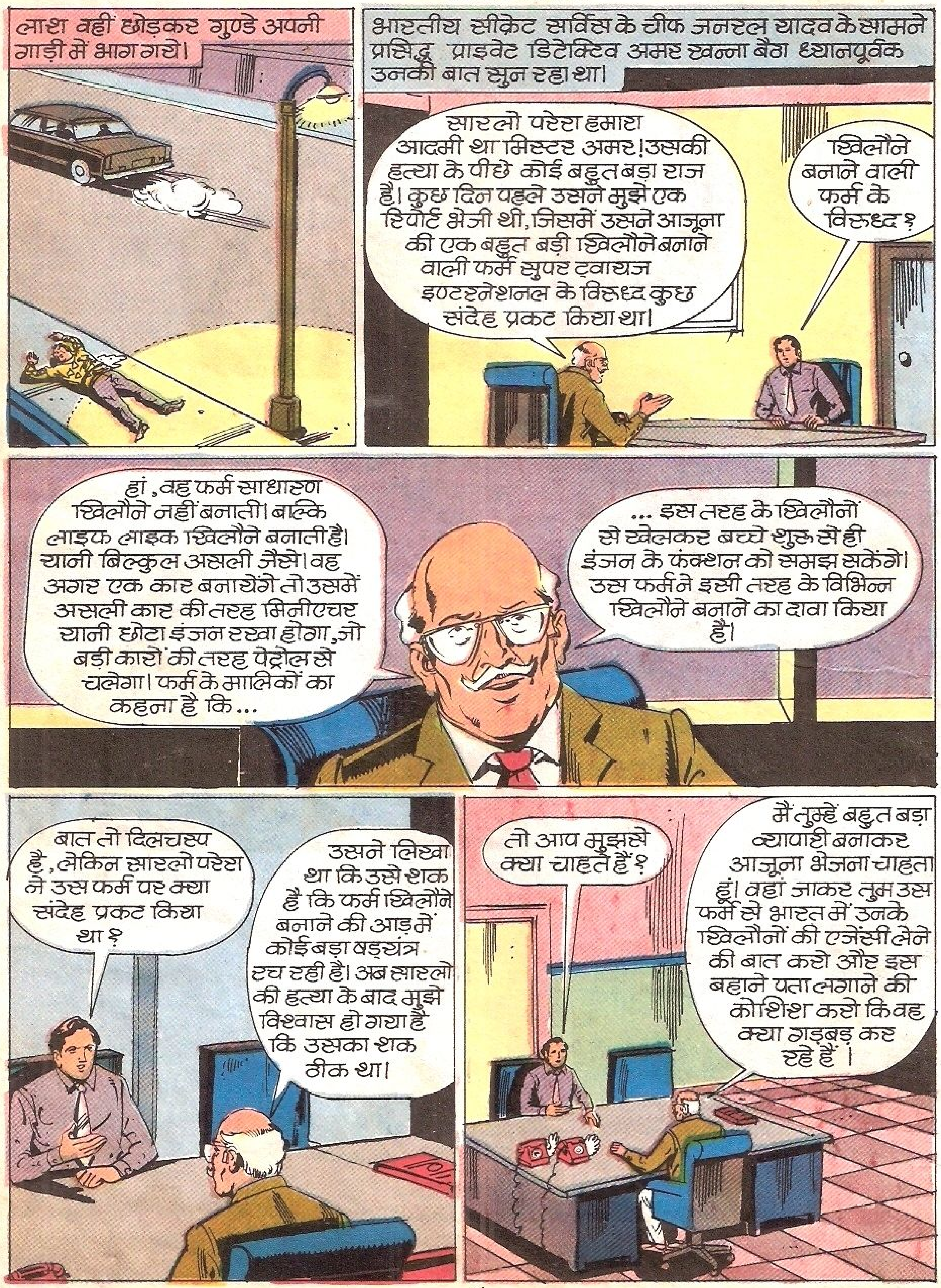
# कातिल खिलौने

लेखक :- अंसार उख्तर
अमर-अकबर सीरीज
चित्रांकन— दिलीप कदम, विजय कदम, त्रिशूल कॉमिको आर्ट.




सारलो ने उठकर जवाबी हमला किया।
आह!
उफ!
सारलो ने पिटना नहीं सीखा।
फिर वहां जबरदस्त लड़ाई शुरू हो गई।
सारलो बहादुरी से मुकाबला कर रहा था।
कैसीनो में हंगामा मच गया था। अतः वहां के सिक्योरिटी गार्ड्स आ पहुंचे।
क्या हो रहा है यह?
छोड़ दो!
रुक जाओ!
यहां लड़ाई झगड़ा नहीं चलेगा। इन लोगों को बाहर निकाल दो।
झगड़ा इन्होंने किया था। यह तीनों बेईमानी कर रहे थे।
सिक्योरिटी गार्ड्स ने उन तीनों बदमाशों को बाहर धकेल दिया।
फ्रेजर से दुश्मनी बहुत महंगी पड़ेगी सारलो। मैं तुझे देख लूंगा।


गुण्डों के जाने के बाद कैसीनो में फिर शांति हो गई।
इस हंगामे के दूसरे दिन शाम को शहर के एक पेशावर कातिल जेक्सन के फोन की घण्टी बजी। उसने फोन उठाया।
हैलो! जेक्सन स्पीकिंग।
जेक्सन! सारलो परेरा नामक एक व्यक्ति की हत्या करनी है। एक लाख रुपये कमाने का मौका है।
संदेश सुनकर जेक्सन की आंखों में भेड़िये जैसी चमक आ गई।
उसी रात जब सारलो परेरा क्लब से लौट रहा था...
...एक गाड़ी उसके निकट आकर रुकी।
कौन हैं यह लोग ?
सारलो ने भागने की कोशिश की,मगर गुण्डों ने उसे दबोच लिया।
और अगले ही क्षण जेक्सन ने अपना छुरा सारलो की छाती में उतार दिया।
आई... ई... ई...!


लाश वहीं छोड़कर गुण्डे अपनी गाड़ी में भाग गये।
भारतीय सीक्रेट सर्विस के चीफ जनरल यादव के सामने प्रसिद्ध प्राइवेट डिटेक्टिव अमर खन्ना बैठा ध्यानपूर्वक उनकी बात सुन रहा था।
चार्ल्स परेरा हमारा आदमी था मिस्टर अमर! उसकी हत्या के पीछे कोई बहुत बड़ा राज है। कुछ दिन पहले उसने मुझे एक रिपोर्ट भेजी थी, जिसमें उसने आजूना की एक बहुत बड़ी खिलौने बनाने वाली फर्म सुपर ट्वायज इण्टरनेशनल के विरुद्ध कुछ संदेह प्रकट किया था।
खिलौने बनाने वाली फर्म के विरुद्ध ?
हां, वह फर्म साधारण खिलौने नहीं बनाती। बल्कि लाइफ लाइक खिलौने बनाती है। यानी बिल्कुल असली जैसे। वह अगर एक कार बनायेंगे तो उसमें असली कार की तरह मिनीएचर यानी छोटा इंजन रखा होगा, जो बड़ी कारों की तरह पेट्रोल से चलेगा। फर्म के मालिकों का कहना है कि...
... इस तरह के खिलौनों से खेलकर बच्चे शुरू से ही इंजन के फंक्शन को समझ सकेंगे। उस फर्म ने इसी तरह के विभिन्न खिलौने बनाने का दावा किया है।
बात तो दिलचस्प है, लेकिन चार्ल्स परेरा ने उस फर्म पर क्या संदेह प्रकट किया था ?
उसने लिखा था कि उसे शक है कि फर्म खिलौने बनाने की आड़ में कोई बड़ा षड्यंत्र रच रही है। अब चार्ल्स की हत्या के बाद मुझे विश्वास हो गया है कि उसका शक ठीक था।
तो आप मुझसे क्या चाहते हैं ?
मैं तुम्हें बहुत बड़ा व्यापारी बनाकर आजूना भेजना चाहता हूं। वहां जाकर तुम उस फर्म से भारत में उनके खिलौनों की एजेंसी लेने की बात करो और इस बहाने पता लगाने की कोशिश करो कि वह क्या गड़बड़ कर रहे हैं।





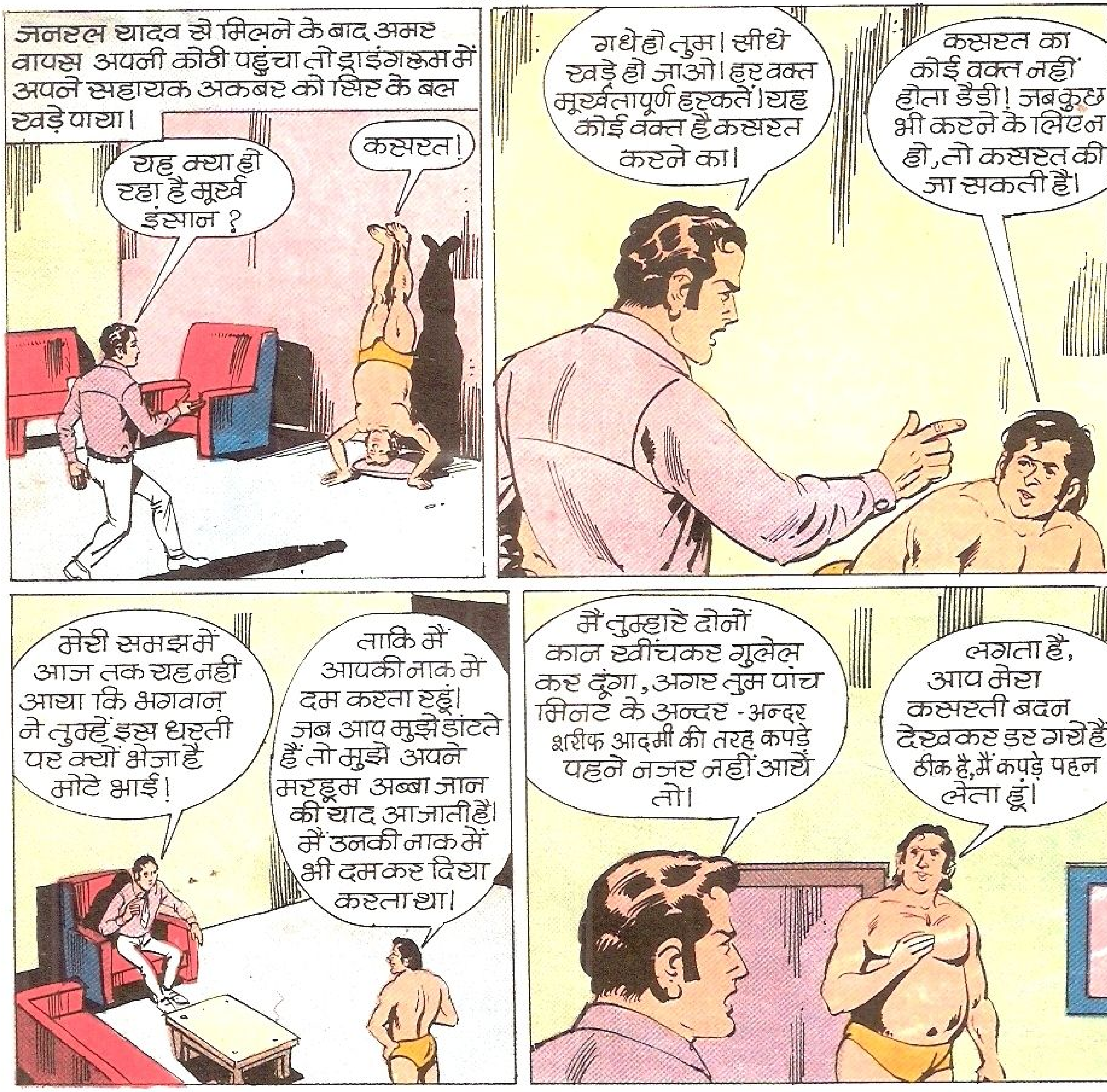






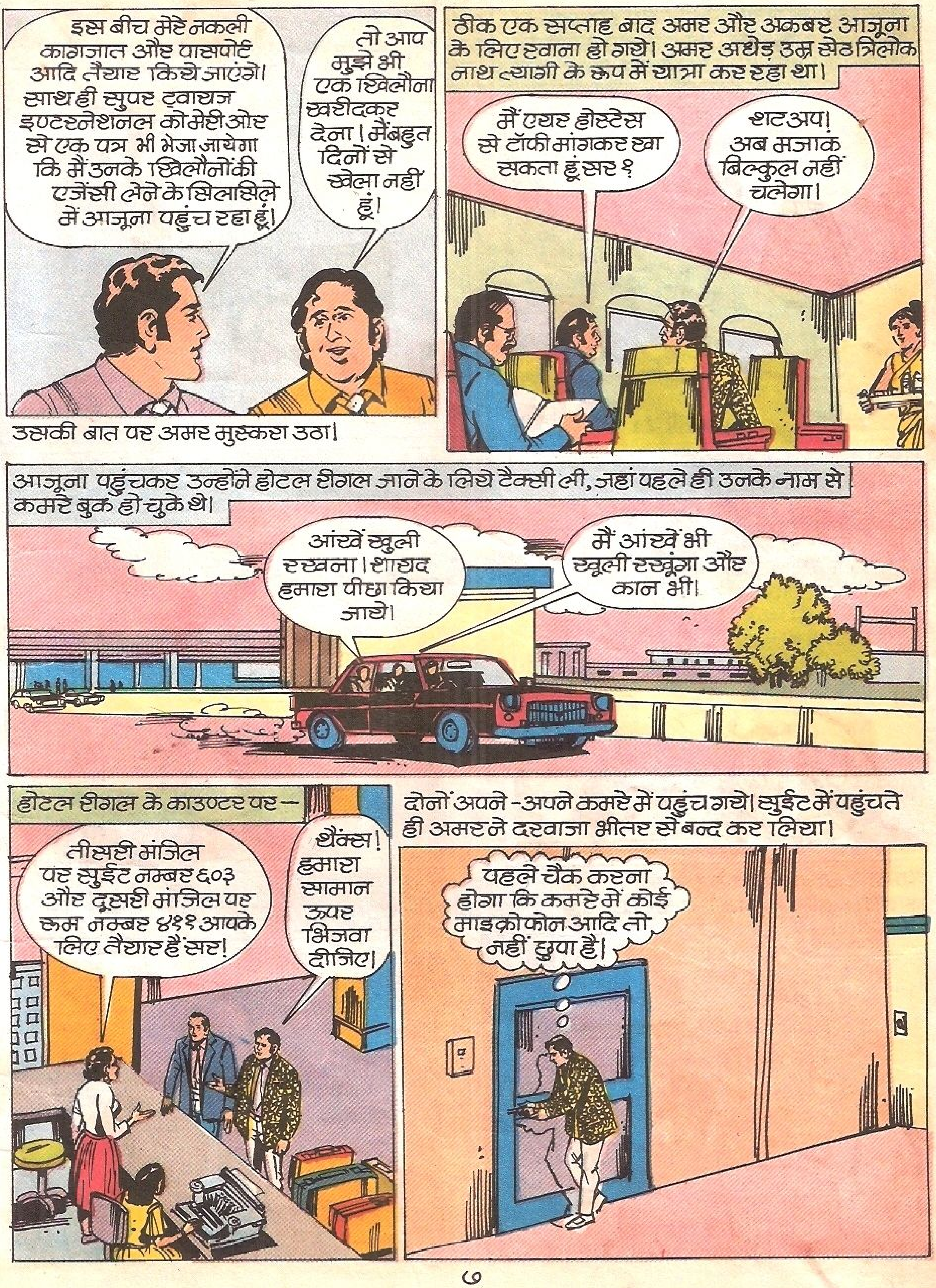


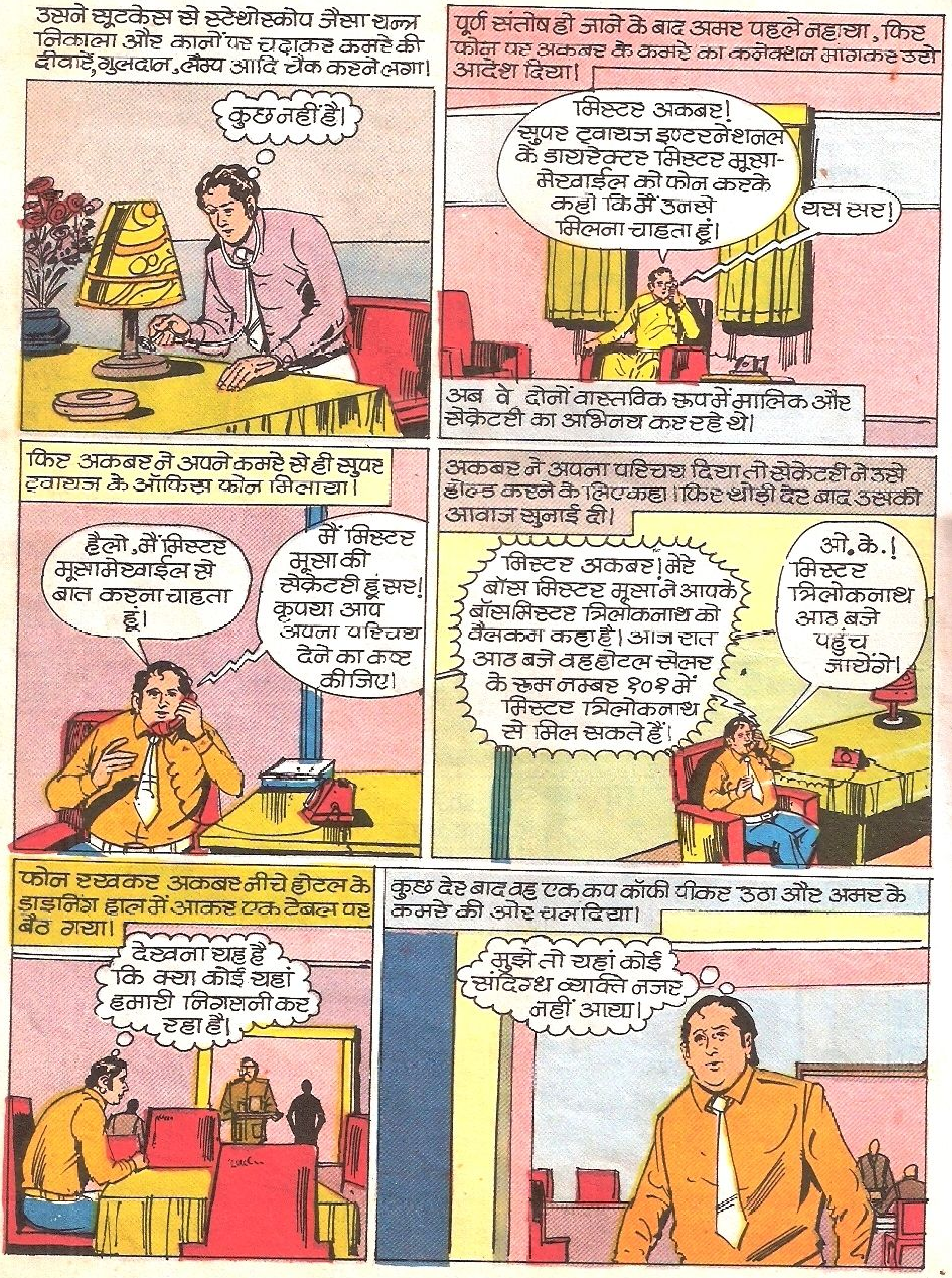
और जनरल उसे अपना प्लान समझाने लगे।

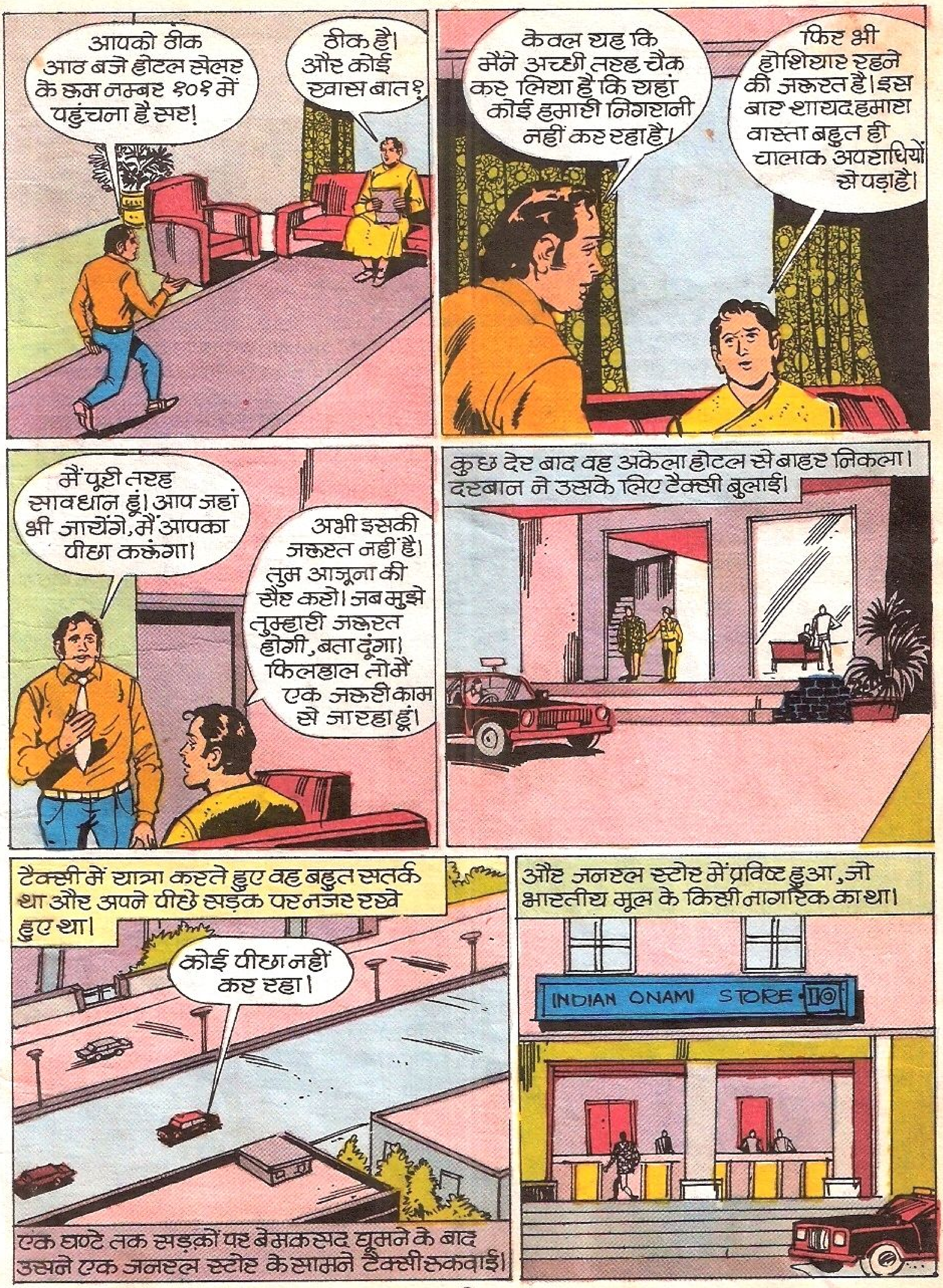



अकबर कपड़े पहनकर इंसान बन गया तो अमर ने उसे जनरल यादव से हुई बातें बताकर कहा —




इस बीच मेरे नकली कागजात और पासपोर्ट आदि तैयार किये जाएंगे। साथ ही सुपर ट्वायज इण्टरनेशनल को मेरी ओर से एक पत्र भी भेजा जायेगा कि मैं उनके खिलौनों की एजेंसी लेने के सिलसिले में आजूना पहुंच रहा हूं।
तो आप मुझे भी एक खिलौना खरीदकर देना। मैं बहुत दिनों से खेला नहीं हूं।
उसकी बात पर अमर मुस्करा उठा।
ठीक एक सप्ताह बाद अमर और अकबर आजूना के लिए रवाना हो गये। अमर अधेड़ उम्र सेठ त्रिलोक नाथ त्यागी के रूप में यात्रा कर रहा था।
मैं एयर होस्टेस से टॉफी मांगकर खा सकता हूं सर?
शटअप! अब मजाक बिल्कुल नहीं चलेगा।
आजूना पहुंचकर उन्होंने होटल रीगल जाने के लिये टैक्सी ली, जहां पहले ही उनके नाम से कमरे बुक हो चुके थे।
आंखें खुली रखना। शायद हमारा पीछा किया जाये।
मैं आंखें भी खुली रखूंगा और कान भी।
होटल रीगल के काउण्टर पर--
तीसरी मंजिल पर सुईट नम्बर ६०३ और दूसरी मंजिल पर रूम नम्बर ४११ आपके लिए तैयार हैं सर!
थैंक्स! हमारा सामान ऊपर भिजवा दीजिए।
दोनों अपने-अपने कमरे में पहुंच गये। सुईट में पहुंचते ही अमर ने दरवाजा भीतर से बन्द कर लिया।
पहले चैक करना होगा कि कमरे में कोई माइक्रोफोन आदि तो नहीं छुपा है।


उसने सूटकेस से स्टेथोस्कोप जैसा यन्त्र निकाला और कानों पर चढ़ाकर कमरे की दीवारें, गुलदान, लैम्प आदि चैक करने लगा।
कुछ नहीं है।
पूर्ण संतोष हो जाने के बाद अमर पहले नहाया, फिर फोन पर अकबर के कमरे का कनेक्शन मांगकर उसे आदेश दिया।
मिस्टर अकबर! सुपर ट्वायज इण्टरनेशनल के डायरेक्टर मिस्टर मूसा-मेरवाईल को फोन करके कहो कि मैं उनसे मिलना चाहता हूं।
यस सर!
अब वे दोनों वास्तविक रूप में मालिक और सेक्रेटरी का अभिनय कर रहे थे।
फिर अकबर ने अपने कमरे से ही सुपर ट्वायज के ऑफिस फोन मिलाया।
हैलो, मैं मिस्टर मूसामेरवाईल से बात करना चाहता हूं।
मैं मिस्टर मूसा की सेक्रेटरी हूं सर! कृपया आप अपना परिचय देने का कष्ट कीजिए।
अकबर ने अपना परिचय दिया तो सेक्रेटरी ने उसे होल्ड करने के लिए कहा। फिर थोड़ी देर बाद उसकी आवाज सुनाई दी।
मिस्टर अकबर! मेरे बॉस मिस्टर मूसा ने आपके बॉस मिस्टर त्रिलोकनाथ को वैलकम कहा है। आज रात आठ बजे वह होटल सेलर के रूम नम्बर १०१ में मिस्टर त्रिलोकनाथ से मिल सकते हैं।
ओ.के.! मिस्टर त्रिलोकनाथ आठ बजे पहुंच जायेंगे।
फोन रखकर अकबर नीचे होटल के डाइनिंग हाल में आकर एक टेबल पर बैठ गया।
देखना यह है कि क्या कोई यहां हमारी निगरानी कर रहा है।
कुछ देर बाद वह एक कप कॉफी पीकर उठा और अमर के कमरे की ओर चल दिया।
मुझे तो यहां कोई संदिग्ध व्यक्ति नजर नहीं आया।


आपको ठीक आठ बजे होटल सेलर के रूम नम्बर ४०१ में पहुंचना है सर!
ठीक है। और कोई खास बात?
केवल यह कि मैंने अच्छी तरह चैक कर लिया है कि यहां कोई हमारी निगरानी नहीं कर रहा है।
फिर भी होशियार रहने की जरूरत है। इस बार शायद हमारा वास्ता बहुत ही चालाक अपराधियों से पड़ा है।
मैं पूरी तरह सावधान हूं। आप जहां भी जायेंगे, मैं आपका पीछा करूंगा।
अभी इसकी जरूरत नहीं है। तुम आजूना की सैर करो। जब मुझे तुम्हारी जरूरत होगी, बता दूंगा। फिलहाल तो मैं एक जरूरी काम से जा रहा हूं।
कुछ देर बाद वह अकेला होटल से बाहर निकला। दरबान ने उसके लिए टैक्सी बुलाई।
टैक्सी में यात्रा करते हुए वह बहुत सतर्क था और अपने पीछे सड़क पर नजर रखे हुए था।
कोई पीछा नहीं कर रहा।
एक घण्टे तक सड़कों पर बेमकसद घूमने के बाद उसने एक जनरल स्टोर के सामने टैक्सी रुकवाई।
और जनरल स्टोर में प्रविष्ट हुआ, जो भारतीय मूल के किसी नागरिक का था।
INDIAN ONAMI STORE


स्टोर के काउण्टर पर पहुंचकर उसने कहा—
मुझे अपनी पत्नी के लिए एक मैक्सी चाहिए, जिस पर नीले सितारे लगे हों।
नीले सितारे! ओह, आप! एक मिनट रुकिए!
वास्तव में अमर ने जो वाक्य बोला था, वह उसकी पहचान का कोड था। यह स्टोर भारतीय सीक्रेट सर्विस का एक एजेण्ट चलाता था। उसकी मदद से अमर को भारत में जनरल यादव की रिपोर्ट देनी थी।
सेल्समैन ने इण्टरकॉम उठाकर किसी से दबे शब्दों में बात की, फिर अमर से कहा—
सॉरी, आप जिस तरह की मैक्सी चाहते हैं, वह इस समय मौजूद नहीं है। लेकिन आप मैनेजर साहब से मिल लीजिए। वह ऑर्डर देकर आपके लिए मैक्सी तैयार करा देंगे।
ओ.के.
कुछ क्षण बाद अमर स्टोर के मैनेजर कम मालिक मिस्टर नरेश गुप्ता के सामने उनके ऑफिस में बैठा था।
मुझे जनरल यादव का संदेश मिल चुका है कि आप यहां पहुंच चुके हैं। उनका आदेश है कि मैं आपको पूरा सहयोग दूं।
थैंक्स! सबसे पहले तो आप मुझे सारलो परेरा की हत्या के विषय में कुछ बताइये।
सारलो की हत्या बड़ी विचित्र परिस्थितियों में हुई थी। एक दिन पूर्व केसीनो में उसका कुछ गुण्डों से झगड़ा हुआ था। फ्रेजर नामक एक गुण्डे ने उसे जान से मार डालने की धमकी दी थी। और अगले ही दिन सारलो की हत्या होगई।
इसका अर्थ तो यह हुआ कि सारलो की हत्या निजी झगड़े के कारण हुई है और उसमें फ्रेजर का हाथ है।
लगता तो यही है, लेकिन जिस रात सारलो की हत्या हुई, उस रात फ्रेजर इस शहर में नहीं था। यहां की पुलिस फ्रेजर से पूछताछ कर रही है। लेकिन मेरा विचार है कि उसकी हत्या में सुपर ट्वायज इण्टरनेशनल के मालिकों का हाथ है।
सुपर ट्वायज के मालिकों से आज मेरी मुलाकात होने वाली है। मैं देखूंगा कि वह कैसे लोग हैं। फिलहाल तो मैं जनरल यादव से बात करना चाहता हूं। आपके पास वायरलैस का प्रबन्ध है।


जी हां, नीचे बेसमेंट में वायरलैस है। मेरे साथ आइये।
चलिए!
बेसमेंट में जाकर अमर ने वायरलैस पर जनरल यादव से कुछ बातचीत की।
और जब वह स्टोर से बाहर निकला तो पौने आठ बज रहे थे। उसने टैक्सी ली।
होटल सेलर चलो!
ठीक आठ बजे वह होटल सेलर के रूम नम्बर एक सौ एक पर दस्तक दे रहा था।
खट्... खट्... खट्!
एक सुन्दर युवती ने दरवाजा खोला।
मेरा नाम त्रिलोकनाथ त्यागी है।
प्लीज़ कम इन। बॉस आपकी प्रतीक्षा कर रहे हैं।
अमर भीतर प्रविष्ट हुआ।
वैलकम मिस्टर त्रिलोकनाथ! मेरा नाम मूसा मेख्वाईल है और यह मेरे पार्टनर मिस्टर शमाईल हैं।
हैलो!
औपचारिक वाक्यों के आदान-प्रदान के बाद वह सोफों पर आमने-सामने बैठ गये।
सेक्रेटरी, तुम जा सकती हो। और हां, मेहमान के लिए कॉफी भिजवा देना
यस सर!


कुछ देर बाद कॉफी आ गई।
हमें आपका पत्र मिल गया था मिस्टर त्रिलोकनाथ। और हमें खुशी है कि आप इंडिया में हमारे खिलौनों की एजेंसी लेना चाहते हैं।
जी हां, लेना तो चाहता हूं। लेकिन कोई बात करने से पहले मैं आपके वह लाइफ लाइक खिलौने देखना चाहूंगा।
वह तो हम आपको दिखायेंगे ही। लेकिन एक बात मैं पहले ही स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि अगर आपको हमारे खिलौने पसन्द आ गये और आपने एजेंसी लेने का फैसला किया तो आपको कम से कम पांच करोड़ रुपये हमारे पास एडवांस जमा कराने होंगे।
आपके खिलौने अगर मुझे पसन्द आ गये तो मैं इस कारोबार में पांच तो क्या, दस करोड़ रुपये भी लगा सकता हूं। दरअसल, मैं आपके वह विचित्र खिलौने देखने के लिए बेचैन हूं।
तभी दरवाजा खुला और एक व्यक्ति भीतर प्रविष्ट हुआ।
हैलो!
लीजिए, हमारे तीसरे पार्टनर मिस्टर किनलाई भी आ गये।
एक बार फिर औपचारिक वाक्यों का आदान-प्रदान हुआ और किनलाई भी साथ बैठ गया।
मिस्टर त्रिलोकनाथ हमारी फैक्टरी और खिलौने देखना चाहते हैं किनलाई।
नो प्रॉब्लम!


कुछ देर की बातचीत के बाद मूसामेखाईल ने कहा —
ऑलराइट मिस्टर त्रिलोकनाथ! परसों हम आपको सुपर टाउन ले चलेंगे, जहां हमारी फैक्टरी है। आप खिलौने देख लीजिए। उसके बाद कारोबार की शर्तें तय कर ली जायेंगी।
ओ.के.!
उसके बाद अमर ने तीनों से हाथ मिलाया और वापस अपने होटल आ गया।
मैं उन तीनों से मिलकर बहुत प्रभावित हुआ हूं। बहुत सभ्य लोग हैं। मुझे नहीं लगता कि वह कोई गलत काम कर रहे हैं।
फिर साइलो की हत्या क्यों हुई? और साइलो ने सुपर ट्वायज के विरुद्ध रिपोर्ट क्यों भेजी थी?
मुझे तो लगता है, साइलो की कोई गलतफहमी हुई थी और उसकी हत्या के पीछे कोई निजी झगड़ा था।
यानी आप सुपर ट्वायज इण्टरनेशनल के मालिकों को बिल्कुल मासूम मानकर चल रहे हैं।
इसका फैसला मैं परसों करूंगा। परसों वह मुझे अपनी फैक्टरी दिखाने ले जा रहे हैं।
मैं भी आपके साथ चलूंगा।
नहीं। जब तक मैं किसी नतीजे पर नहीं पहुंच जाता, तुम इस मामले से अलग ही रहो। मैं अकेला ही फैक्टरी देखने जाऊंगा। अब तुम अपने कमरे में जाकर आराम करो।
जो आज्ञा सरकार!


अपने कमरे की ओर जाते हुए अकबर सोच रहा था।
अमर उन लोगों से कुछ ज्यादा ही प्रभावित हो गया है। लेकिन मुझे खतरे की गंध आ रही है। इसलिए कल से मैं अपने ढंग से अमर की निगरानी करूंगा, ताकि अगर वह किसी मुसीबत में फंसे तो मैं उसकी मदद कर सकूं।
यह निर्णय लेने के बाद वह अपने कमरे में आकर सो गया।
उसी रात पेशेवर कातिल जेक्सन के फोन की घंटी बजी। उसने रिसीवर उठाया।
हैलो, जेक्सन स्पीकिंग।
जेक्सन! होटल रीगल के सुईट नम्बर ६०३ में त्रिलोकनाथ नामक एक भारतीय व्यापारी ठहरा हुआ है। तुम्हें उससे कुछ जानकारी प्राप्त करनी है।
जेक्सन ने ध्यानपूर्वक फोन करने वाले के निर्देश सुने।
अगले दिन अमर को कोई काम नहीं था। इसलिए वह अकेला ही होटल से घूमने के लिए निकला।
टैक्सी बुलाऊं सर!
नहीं! मैं पैदल ही जाऊंगा।
वह एक सड़क पर पैदल चला जा रहा था कि अचानक –
कौन हो तुम लोग?
हमारी जेबों में पिस्तौल हैं मिस्टर! तुम्हें हमारे साथ चलना होगा, वरना...!
खतरा! कौन हैं यह लोग?
चलो, वह सामने गाड़ी खड़ी है।
लेकिन तुम मुझे कहां ले जा रहे हो?

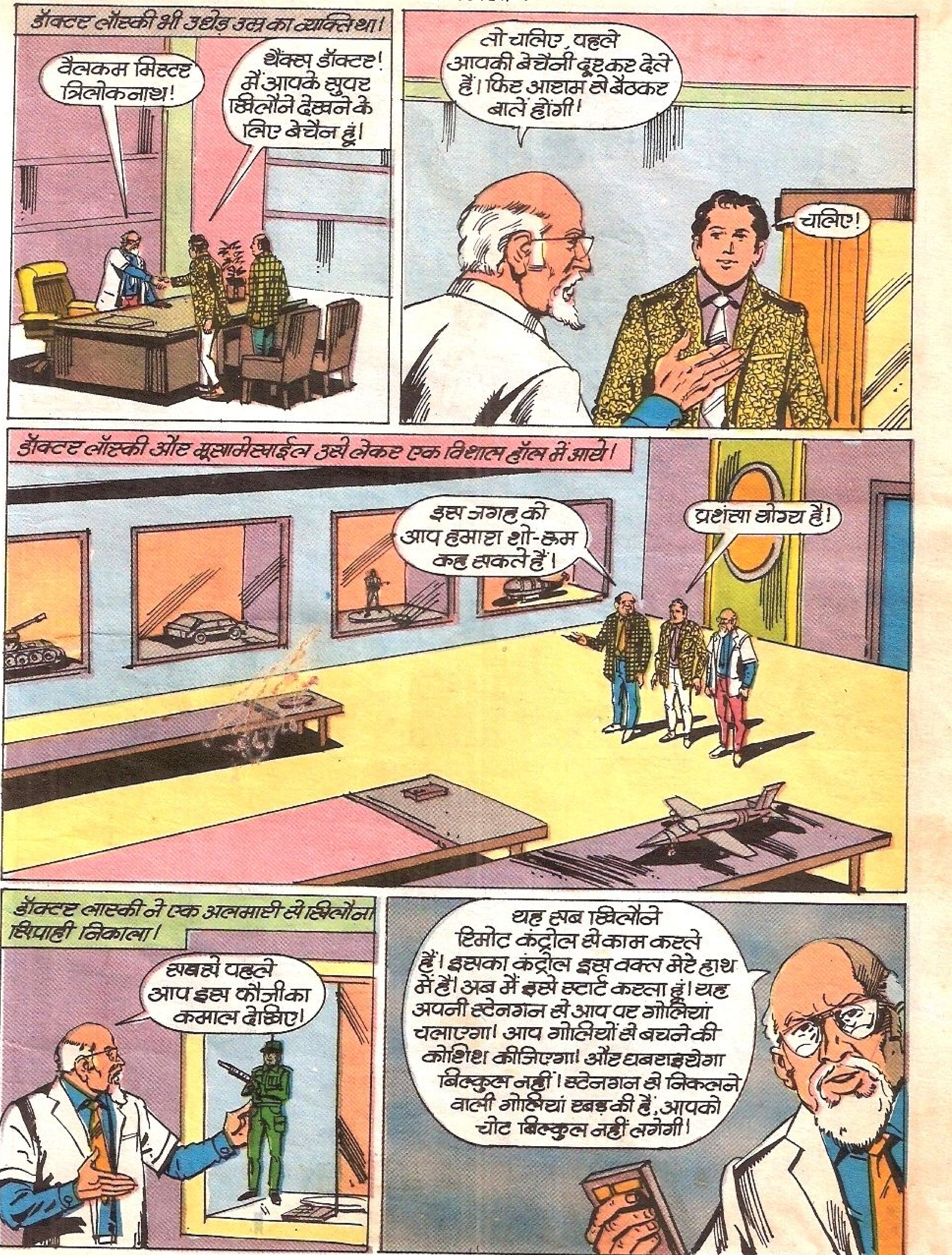

चुपचाप चलते रहो, वरना गोली मार दूंगा।
इस वक्त इनसे भिड़ भी नहीं सकता, क्योंकि दोनों के पास पिस्तौल हैं।
कार के निकट पहुंचकर—
चलो, अन्दर बैठो।
कार चल पड़ी तो अमर ने एक बार फिर कुछ कहना चाहा।
तुम लोग मुझे... आह...!
तेरा मुंह बन्द करना ही पड़ेगा।
काफी देर बाद वह कार एक सुनसान क्षेत्र में बने एक छोटे से मकान के सामने जाकर रुकी।
अमर को जब होश आया तो उसने स्वयं को एक मेज पर बंधे पाया।
कहां ले आये हो तुम मुझे?
जेक्सन ने उसके प्रश्न की उपेक्षा करते हुये कहा—
इस खंजर से मैं तुम्हारे चेहरे की सारी खाल उतार सकता हूं।
जरूर उतार सकते हो, लेकिन मुझसे तुम्हारी क्या दुश्मनी है?


दुश्मनी सिर्फ यह है कि तुम बहुत धनवान हो और मैं बहुत गरीब। मुझे रुपयों की जरूरत है।
तो तुमने रुपयों के लिए मेरा अपहरण किया है ?
हां, हमने तुम्हारी जान की कीमत एक करोड़ रुपये लगाई है। जो तुम आसानी से दे सकते हो।
एक करोड़! तुम्हारा दिमाग तो ठीक है।
बिल्कुल ठीक है। हमारी सूचना के अनुसार तुम यहां सुपर ट्वायज की एजेंसी लेने आये हो और हम जानते हैं कि उस फर्म से वही व्यक्ति व्यापार कर सकता है, जिसके पास करोड़ों रुपये हों। अगर तुम्हारे पास एक करोड़ भी नहीं है, तो फिर तुम यहां क्यों आये हो ?
उसकी बात सुनकर अमर चौंका।
ओह, तो यह लोग ब्लैकमेलर नहीं हैं, बल्कि मुझसे यह जानना चाहते हैं कि मैं यहां क्यों आया हूं। क्या इन्हें सुपर ट्वायज के मालिकों ने भेजा है।
क्या सोच रहे हो तुम ? अगर तुम सचमुच करोड़पति हो तो हमें एक करोड़ रुपये देकर अपनी जान बचा सकते हो।
हां, मैं करोड़पति हूं। लेकिन एक करोड़ रुपये मैं जेब में लेकर तो घूम नहीं सकता। मुझे इण्डिया से रुपया मंगाना होगा।
अगर तुम यहां एजेन्सी लेने आये हो, तो कुछ रुपया अवश्य साथ लाये होगे। हमें केवल वही रुपया दे दो।
मैं बहुत बड़ी रकम साथ लेकर नहीं आया हूं।
नहीं लाये हो तो फिर तुम यहां से जीवित नहीं जा पाओगे। इसका अर्थ है, तुम व्यापारी नहीं हो। सच बताओ, कौन हो तुम ?



मैं बताता हूं, यह कौन है?
अकबर! यह यहां कैसे पहुंच गया?
मगर जेक्सन ने जबरदस्त फुर्ती का सबूत दिया।
आह!
जेक्सन और उसके साथी ने अकबर से भिड़ने की कोशिश नहीं की। वह दोनों तेजी से बाहर भागे।
अकबर संभलकर उनके पीछे भागा।
लेकिन वह अपनी गाड़ी में बैठकर फरार हो गये।
वापस कमरे में आकर उसने अमर के बंधन खोले।
भाग गये साले!
मगर तुम यहां कैसे पहुंचे?
मैंने रात ही फैसला कर लिया था कि दूर रहकर आपकी निगरानी करूंगा। होटल से मैंने एक कार किराये पर ले ली थी। मेरे सामने ही इन गुण्डों ने आपको पकड़कर अपनी कार में बिठाया था।


कुछ देर बाद वह गाड़ी में वापस शहर जा रहे थे।
अब मुझे संदेह हो रहा है कि सुपर ट्वायज के मालिक कुछ गड़बड़ कर रहे हैं। ऐसा लगता है, यह गुण्डे उन्होंने ही भेजे थे और वह यह जानना चाहते थे कि मैं सचमुच करोड़पति व्यापारी हूं या कुछ और हूं!
फिर अब आपका क्या इरादा है?
फिलहाल तो मेरा प्रोग्राम वही है। कल मैं उनकी फैक्टरी देखने जाऊंगा। मैं यह भी देखना चाहता हूं कि आज की घटना के बाद वह लोग मुझसे कैसा व्यवहार करते हैं!
उसकी बात सुनकर अकबर का चेहरा गम्भीर हो गया।
अगले दिन अमर मूसामेखाईल के साथ सुपर टाउन स्थित उनकी फैक्टरी देखने गया।
हमारी फैक्टरी सौ एकड़ जमीन पर फैली हुई है।
कार फैक्टरी के भीतर प्रविष्ट हुई।
हरेक शेड में अलग-अलग पुर्जे बनाने वाली मशीनें लगी हुई हैं।
इमारत के सामने पहुंचकर वह गाड़ी से उतरे।
हमारे दो पार्टनर मिस्टर किनलाई और मिस्टर शमाईल तो यहां नहीं हैं, लेकिन हमारे चौथे पार्टनर डॉक्टर लास्की अपने ऑफिस में होंगे। फैक्टरी इंचार्ज वही हैं। और वही आपको खिलौने दिखायेंगे तथा उनके विषय में विस्तार से बतायेंगे।
मुझे डॉक्टर लॉस्की से मिलकर खुशी होगी।


डॉक्टर लॉस्की भी अधेड़ उम्र का व्यक्ति था।
वैलकम मिस्टर त्रिलोकनाथ!
थैंक्स डॉक्टर! मैं आपके सुपर खिलौने देखने के लिए बेचैन हूं।
तो चलिए, पहले आपकी बेचैनी दूर कर देते हैं। फिर आराम से बैठकर बातें होंगी।
चलिए!
डॉक्टर लॉस्की और मूसामेस्साईल उसे लेकर एक विशाल हॉल में आये।
इस जगह को आप हमारा शो-रूम कह सकते हैं।
प्रशंसा योग्य है!
डॉक्टर लास्की ने एक अलमारी से खिलौना सिपाही निकाला।
सबसे पहले आप इस फौजी का कमाल देखिए!
यह सब खिलौने रिमोट कंट्रोल से काम करते हैं। इसका कंट्रोल इस वक्त मेरे हाथ में है। अब मैं इसे स्टार्ट करता हूं। यह अपनी स्टेनगन से आप पर गोलियां चलाएगा। आप गोलियों से बचने की कोशिश कीजिएगा। और घबराइयेगा बिल्कुल नहीं। स्टेनगन से निकलने वाली गोलियां रबड़ की हैं, आपको चोट बिल्कुल नहीं लगेगी।


और लॉस्की ने एक बटन दबाया।
ओह गॉड!
ठस...ठस...!
अमर गोलियों से बचने के लिए इधर-उधर हटने लगा।
ठस...ठस...!
फिर डॉक्टर ने स्विचऑफ कर दिया।
यह खिलौना सचमुच प्रशंसा के योग्य है!
हमने इससे भी अच्छे खिलौने बनाये हैं!
अब आप इस फाइटर एयरक्राफ्ट के करतब देखिए!
क्या यह सचमुच उड़ेगा?
लास्की ने बटन दबाया।
ओ नो...!
अमर आश्चर्यचकित-सा उसे देख रहा था।
यह खिलौने सचमुच अद्भुत हैं!


ओह गॉड!
यह तो कलाबाज़ियां भी खा रहा है।
फिर उस खिलौना जहाज ने एक और अद्भुत प्रदर्शन किया।
ओह! रबड़ के बम गिरा रहा है।
लॉस्की ने स्विच ऑफ कर दिया।
मेरे पास आपकी प्रशंसा योग्य शब्द नहीं हैं डॉक्टर लॉस्की!
अब लॉस्की एक अलमारी से खिलौना मिसाइल निकाल-कर लाया।
इस मिसाइल का कमाल देखने के लिए आपको बाहर खुले मैदान में चलना होगा।
वह इमारत के बाहर खुले मैदान में आए। डॉक्टर लॉस्की ने अपने मिसाइल को मैदान के दूसरे सिरे पर ले जाकर रख दिया।
यह मिसाइल भी जहाज की तरह ही उड़ता होगा?
जी नहीं, यह अमेरिका और रूस के इण्टर कान्टीनेंटल बेलिस्टिक मिसाइलों के सिद्धान्त पर बनाये गये हैं। जिस निशाने पर इनको गिराना होता है, कंप्यूटर के द्वारा उस निशाने की दिशा और कोण बनाकर लांचर पर इनको रख दिया जाता है। और फिर यह अपने टारगेट को शूट करते हैं।


डॉक्टर ने मिसाइल का रुख हमारी ओर रखा है। क्या वह हमें टारगेट बनाएगा।
देखते जाइये! डॉक्टर मिसाइल उड़ने का इशारा कर रहे हैं।
फिर लॉस्की के बटन दबाने पर —
जूं...जूं.....जूं...!
वह आकाश में काफी ऊंचा गया, फिर पलटा और उनकी ओर तेजी से आया।
बिल्कुल उनके सिरों पर आकर मिसाइल की नोक पर लगी बॉल अलग हुई और फट गई। उससे निकले रंगीन कागज उन पर बरसने लगे।
फटाक्!
फिर मिसाइल घूमा और वापस अपने पैड पर जाकर उतर गया।
कुछ देर बाद डॉक्टर लॉस्की के ऑफिस में —
आपके खिलौने बच्चों की दुनिया में इंकलाब ले आयेंगे डॉक्टर! मैं आपके आविष्कार की दाद देता हूं!
थैंक्स! मगर हमारे यह खिलौने बहुत महंगे हैं। आम धनवान व्यक्ति भी अपने बच्चों के लिए इनको मुश्किल से खरीद पाएगा।


लेकिन हरेक देश की शिक्षा संस्थाएं इनको जरूर खरीदेंगी! इनके द्वारा बच्चों को मॉडर्न टैक्नोलॉजी की शिक्षा दी जा सकती है। अगर सच पूछा जाए तो आप लोगों ने यह खिलौने बनाकर आज के बच्चों पर बड़ा उपकार किया है।
प्रशंसा के लिए धन्यवाद! चलिए, अब आपको फैक्टरी दिखाते हैं!
डॉक्टर लॉस्की पहले उसे उसी इमारत के एक बड़े हॉल में लेकर आया, जहां बहुत-सी मशीनों पर काम चल रहा था।
यहां पुर्जों को फाइनल टच दिया जाता है!
अमर का मस्तिष्क इस वक्त कुछ और ही सोच रहा था।
यहां मुझे कोई भी बात अजीब नहीं लगी! लगता है, आरती को जरूर कोई गलतफहमी हुई थी। वरना इस फैक्टरी में तो बच्चों की भलाई के लिए काम हो रहा है!
अचानक बिजली चली गई।
ओह, लाइट!
सारी मशीनें बन्द हो गईं।
तुरन्त ही इमरजेंसी लाइटें ऑन हो गईं, लेकिन मशीनें बन्द रहीं।
बिजली चली गई है, लेकिन दो मिनट में ही हमारे जनरेटर काम करने लगेंगे और लाइट आ जाएगी।
क्या यहां आपके निजी जनरेटर काम करते हैं?
केवल इमरजेंसी में, वरना सरकारी बिजली घर से ही यहां बिजली लाई गई है।
दो मिनट बाद ही या तो लाइट आ गई थी या फिर जनरेटर स्टार्ट हो गये थे, क्योंकि मशीनें चालू हो गई थीं।


दो घण्टे तक फैक्ट्री घूमने के बाद अमर, मुस्तमेखाईल के साथ वापस जा रहा था।
जनरल यादव को रिपोर्ट देनी होगी कि उनका संदेह गलत है। सुपर ट्वायज में कोई गड़बड़ी नहीं है।
वैसे तो अमर सन्तुष्ट था। लेकिन उसके मस्तिष्क में कोई ऐसी अदृश्य बात खटक रही थी, जिसे वह समझ नहीं पा रहा था।
कोई बात है जरूर, जिसे मैंने महसूस किया है, मगर समझ नहीं पा रहा हूं। शायद मैं कोई गलती कर रहा हूं।
मुस्तमेखाईल ने उसे होटल के सामने कार से उतारा।
ओ.के. मिस्टर त्यागी! अब आप अच्छी तरह सोच-समझकर हमें परसों तक बता दीजिए कि आप हमारी शर्तों पर एजेंसी लेने को तैयार हैं या नहीं?
ओ.के.!
उसने अकबर को फैक्टरी का सारा हाल सुना दिया।
मुझे नहीं लगा कि वहां कोई गड़बड़ है। अब मैं यहां से वापस जाने की सोच रहा हूं। लेकिन एक गड़बड़ है। कोई ऐसी बात जरूर है, जिसे मैंने महसूस किया है, लेकिन उसे समझ नहीं पा रहा हूं।
तो मस्तिष्क पर जोर डालकर समझने की कोशिश कीजिए। क्या पता, उसी बात के पीछे कोई राज छुपा हो।
अमर उस रात सो नहीं सका।
क्या बात है वह! क्या महसूस किया था मैंने?
लेकिन रातभर सोचने के बाद भी वह कुछ समझ नहीं पाया था।
अगली सुबह वह अकबर के साथ शहर घूमने के लिए निकला।
हम कल वापस चलेंगे, इसलिए आज कुछ तफरीह कर लेते हैं।
तो फिर शहर से बाहर वाली झील पर चलते हैं। बहुत सुन्दर जगह है।


शहर से बाहर जाने के लिए उन्हें रेलवे क्रॉसिंग पर रुकना पड़ा।
STOP
यह रेलवे क्रॉसिंग मुझे इण्डिया में भी बोर करती हैं, और यहां भी।
ट्रेन गुजर गई।
ट्रेन भी क्या धरती धकेल चीज है। यहां से दूर चली गई है, मगर अभी तक धरती में कम्पन महसूस हो रहा है।
STOP
कम्पन!
फिर अमर के मस्तिष्क में एक पटाखा-सा छूटा।
कम्पन! ओह अकबर, तुमने यह शब्द कहकर मेरी सारी मुश्किल हल कर दी है। हां, वह कम्पन ही था, वाइब्रेशन थी। गाड़ी सड़क के किनारे रोको अकबर।
क्या हुआ आपको, कोई भूत देख लिया है क्या?
अकबर ने गाड़ी सड़क के किनारे रोक दी।
अब बताइये, क्या हुआ आपको?
कल जब मैं फैक्टरी की वर्कशाप देखने गया था तो वहां की बिजली चली गई थी। और वह बिजली दो मिनट बाद आई थी। उस समय मेरा हाथ एक बंद मशीन पर रखा था और पूरे समय तक मैं हल्का-सा कंपन महसूस करता रहा था। बस यही बात मुझे कल से याद नहीं आ रही थी।
इस बात में ऐसी क्या खास बात है?
तुम मूर्ख हो। मैंने कहा न कि वहां दो मिनट तक बिजली नहीं थी। फिर वह कम्पन कैसा था? एक ही बात है, फैक्टरी में कोई तहखाना था, जिसमें कोई मशीन चल रही थी। कोई ऐसी मशीन, जिसे वह सरकारी बिजली से नहीं चलाते। बल्कि उसके लिए स्पेशल जनरेटर लगा रखे हैं, जो उस मशीन को कभी बन्द नहीं होने देते।



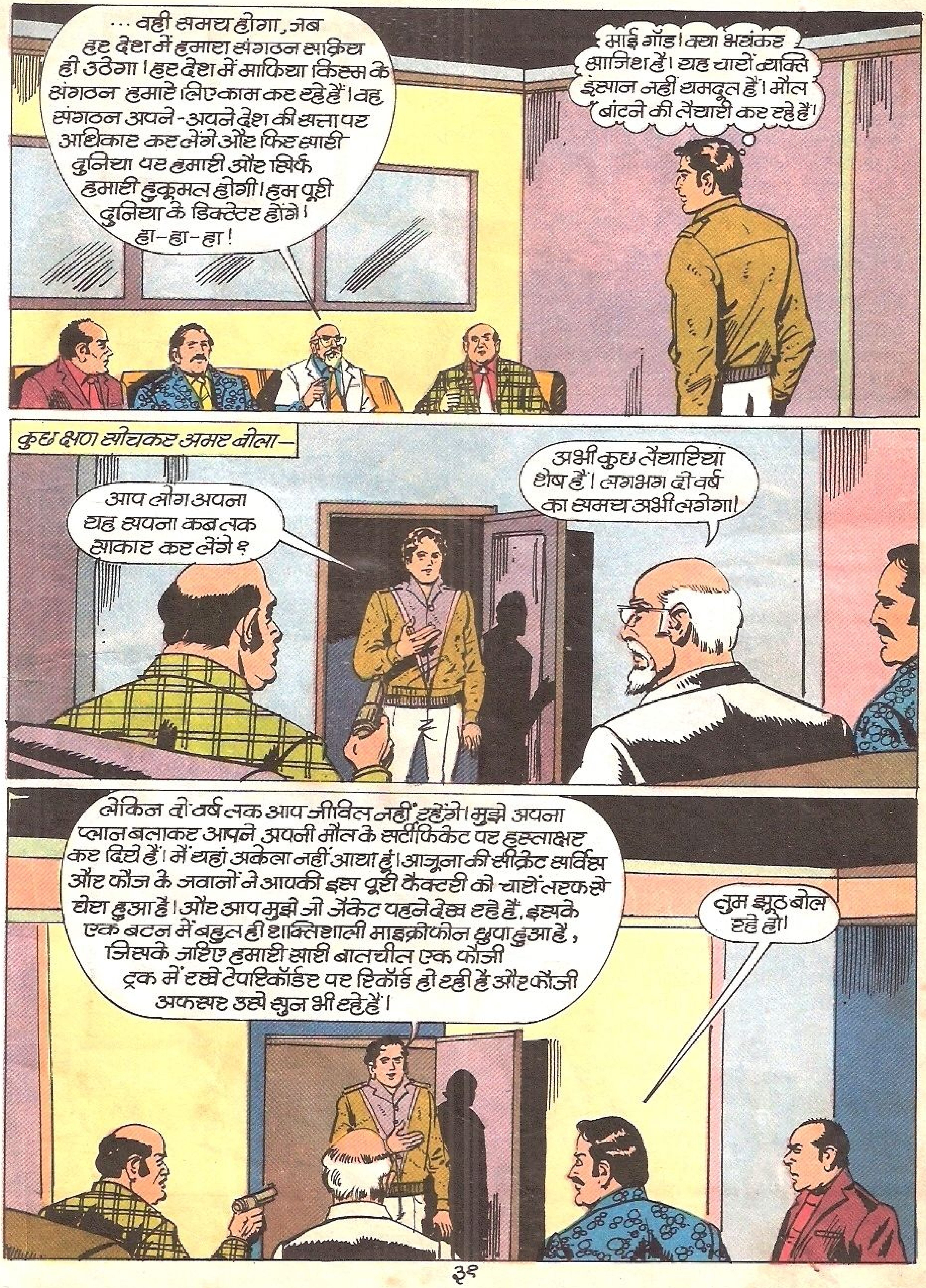
इसका अर्थ तो यह हुआ कि उस मशीन पर वह कोई महत्त्वपूर्ण या गैरकानूनी काम करते हैं। और उस मशीन का किसी को पता न चल सके, इसलिए वह उस पर सरकारी बिजली भी खर्च नहीं करते।
बिल्कुल ठीक। अब मैं उस फैक्टरी में दोबारा जाऊंगा और यह राज जानने की कोशिश करूंगा कि वह कैसी मशीन है?
दोबारा आप वहां कैसे जायेंगे?
चुप कर! और आज रात ही जाऊंगा, लेकिन अब मुझे आजूना की सीक्रेट सर्विस से सहायता लेनी होगी। जनरल यादव ने कहा था कि जरूरत पड़ने पर मैं आजूना सरकार की मदद ले सकता हूं।
उसी शाम आजूना सीक्रेट सर्विस के चीफ के ऑफिस में।
आपने जो हालात बताए हैं, उनसे तो यही लगता है कि उस फैक्टरी में कोई गैर-कानूनी काम हो रहा है। अगर आप कहें तो हम वहां सरकारी तौर पर छापा मारें?
नहीं! पहले मैं वहां अकेला जाना चाहता हूं। हो सकता है, मेरा शक गलत हो और मेरी गलती के कारण आपको कष्ट उठाना पड़े और उन शरीफ लोगों की बदनामी हो।
तो ठीक है, आप अकेले ही जाइये! लेकिन हम मिलकर एक पूरी योजना तैयार करते हैं। और मैं आपको एक ऐसी चीज भी देना चाहूंगा, जो इस मिशन पर आपके लिए बहुत उपयोगी रहेगी।
उसके बाद दो घण्टे तक वह मिशन की प्लानिंग करते रहे।
फिर उसी रात ग्यारह बजे अकबर ने अमर को फैक्टरी से कुछ दूर गाड़ी से उतारा।
ऑल दी बेस्ट!
थैंक्यू!
अमर जो जैकेट पहने हुए था, वह उसे सीक्रेट सर्विस के चीफ ने विशेष रूप से दी थी।


वह फैक्टरी के मुख्य द्वार की ओर नहीं गया। बल्कि घूमकर पिछली ओर पहुंचा। यहां भी कांटेदार तारों की बाड़ लगी थी। उसने जेब से कटर निकालकर तार काट डाले।
कटे हुए तारों के बीच से गुजरकर वह चारदीवारी के निकट पहुंचा।
इस दीवार पर आसानी से चढ़ा जा सकता है। उन लोगों ने सुरक्षा का कोई भी कड़ा प्रबन्ध नहीं किया है। तारों में करंट भी नहीं था और यह दीवारें भी साधारण ऊंचाई की हैं।
बड़ी सरलता से वह दूसरी ओर कूद गया। सामने ही वह बिल्डिंग थी, जिसमें वह एक दिन पहले आ चुका था।
यहां भी कोई पहरेदार नहीं है। कोई आवाज भी नहीं है। इसका अर्थ है, फैक्टरी में रात को काम नहीं होता।
बिना किसी दिक्कत के वह इमारत तक पहुंच गया। दरवाजा खुला हुआ था।
दरवाजा खुला होने का अर्थ है कि इमारत में कोई है। मुझे पहले डॉक्टर लॉस्की के दफ्तर में चलना चाहिए। तहखाने का रास्ता उसके दफ्तर में ही होना चाहिए।
इमारत की अधिकांश लाइटें बुझी हुई थीं। कॉरीडोर अंधेरे और सुनसान पड़े थे। किसी रुकावट के बिना वह लॉस्की के ऑफिस तक पहुंच गया और दरवाजा खोलकर भीतर झांका।
यहां तो अंधेरा है।
भीतर प्रविष्ट होकर उसने दरवाजा बन्द किया और जेब से टॉर्च निकालकर जलाई।
ओह गॉड! यह दरवाजा तो कल यहां नहीं था। इसका अर्थ है, यही तहखाने का गुप्त रास्ता है।


दबे पांव चलते हुए वह गुप्त द्वार में प्रविष्ट हुआ।
हैरत है कि उन्होंने तहखाने पर भी पहरा नहीं लगाया है।
सीढ़ियां उतरकर वह नीचे पहुंचा। अब वह एक चौकोर कमरे में था।
हॉट लैब.
HOT LAB
यह तो स्टोर लगता है। यह सब उस खिलौनों मिसाइल की बॉल्स हैं, जो फटकर रंगीन कागज बरसाती हैं।
हॉट लैब! ओह गॉड, हॉट लैब तो किसी प्रयोग-शाला के उस भाग को कहते हैं, जिसमें आणुविक शक्ति पर काम होता है। तो क्या यह एटामिक लैबोरेट्री है।
हॉट लैब.
HOT LAB.
उसने दरवाजा खोलने के लिए हाथ बढ़ाया, लेकिन तभी कमरे में एक स्वर गूंजा।
हॉट लैब.
HOT LAB.
उस दरवाजे को छूना मना है मिस्टर! अगर तुम अपनी कुशलता चाहते हो तो वापस ऊपर आ जाओ।
अब अमर को अपनी गलती का अहसास हुआ।
ओह, मैं समझ रहा था कि यहां कोई पहरा नहीं है। लेकिन अब समझा कि वह लोग छुपकर यहां की निगरानी रखते हैं। शायद टेलीविजन कैमरों की सहायता से।
तुम्हें चेतावनी दी जाती है कि तुरन्त ऊपर आ जाओ, वरना अंजाम के तुम खुद जिम्मेदार होगे।


वह वापस ऊपर आया और जैसे ही डॉक्टर लॉस्की के दफ्तर में कदम रखा, हैरान रह गया।
आइये मिस्टर त्रिलोकनाथ त्यागी।
उन चारों को देखकर अमर हैरान था। मूसा फिर बोला —
सबसे पहले तो आपके पास जो भी हथियार हो, निकाल-कर इधर रख दीजिए। और फिर बताइये कि आप वास्तव में कौन हैं और यहां चोरों की तरह क्यों आये थे?
मैं आपकी न्यूक्लीयर लैबोरेट्री देखने आया था।
इसका मतलब है, तुम व्यापारी नहीं हो, बल्कि जासूस हो और हमारी जासूसी करने आए थे।
आपने बिल्कुल ठीक समझा। असल में मेरा नाम अमर खन्ना है। और मैं भारतीय जासूस हूं। मुझे खुशी है कि मैंने आपकी न्यूक्लीयर लैबोरेट्री का पता लगा लिया है। आप लोग जरूर कोई बड़ा षड्यंत्र रच रहे हैं।
लैबोरेट्री देखकर तुमने क्या अंदाजा लगाया?
केवल यह कि आप लोग ऐटामिट एनर्जी पर कोई अनुसंधान कर रहे हैं और यह खिलौने बनाने का काम सिर्फ आपका कवर है। इसकी आड़ में आप कुछ और चीज तैयार कर रहे हैं।
आपका विचार बिल्कुल ठीक है मिस्टर जासूस! दरअसल हम एटम बम तैयार कर रहे हैं।


एटम बम ?
हां। हमारा यह राज एक और जासूस स्टारलो परेरा ने भी जान लिया था, लेकिन हमने उसे समाप्त कर दिया। तुम्हें भी अब यहां से जीवित तो जाना नहीं है। इसलिए मैं तुम्हारी जिज्ञासा शान्त कर देता हूं। नीचे कमरे में तुमने जो सुर्ख गेंदें देखी हैं, वह सब शक्तिशाली एटम बम हैं।
मैंने एटम बम को छोटा आकार देने में सफलता प्राप्त कर ली है।
इसका मतलब तो यह हुआ कि आपकी वह मिसाइल भी...।
ठीक समझा तुमने। हमारी वह मिसाइल्स इन एटम बमों को गिराने के काम आयेंगी। वह मिनी मिसाइल्स सचमुच की मिसाइल्स की तरह ही घातक हैं। तुम जानना चाहते हो कि हम क्या करने वाले हैं ?
जरूर जानना चाहूंगा।
तो सुनो, हम हर देश में अपने एजेंट बना रहे हैं। और हर देश की सत्ता संभालने के लिए अपना एक साथी नियुक्त कर रहे हैं। हर देश में हमने ऐसी बिल्डिंगें खरीद ली हैं, जिन पर यह खिलौना मिसाइल्स लगायी जायेंगी। हर मिसाइल का लक्ष्य किसी फौजी ठिकाने की तरफ होगा। हर छावनी, हर शहर में हमारे खिलौनों का शोरूम होगा और उस शोरूम में एटम बम वाले मिसाइल्स अपने लांचरों पर इस तरह रखी होंगी कि रिमोट कंट्रोल का बटन दबते ही वह उड़कर फौजी ठिकानों पर जा गिरें। एक ही दिन, एक ही समय पर वह मिसाइल्स छोड़ी जायेंगी। दुनिया के हर देश की फौज तबाह कर दी जाएगी। हर देश की सरकार परेशान हो जाएगी। जनता समझेगी कि एटमी जंग छिड़ गई है और ...


... वही समय होगा, जब हर देश में हमारा संगठन सक्रिय हो उठेगा! हर देश में माफिया किस्म के संगठन हमारे लिए काम कर रहे हैं। वह संगठन अपने-अपने देश की सत्ता पर अधिकार कर लेंगे और फिर सारी दुनिया पर हमारी और सिर्फ हमारी हुकूमत होगी! हम पूरी दुनिया के डिक्टेटर होंगे। हा-हा-हा!
माई गॉड! क्या भयंकर साजिश है! यह चारों व्यक्ति इंसान नहीं यमदूत हैं। मौत बांटने की तैयारी कर रहे हैं!
कुछ क्षण सोचकर अमर बोला—
आप लोग अपना यह सपना कब तक साकार कर लेंगे?
अभी कुछ तैयारियां शेष हैं। लगभग दो वर्ष का समय अभी लगेगा।
लेकिन दो वर्ष तक आप जीवित नहीं रहेंगे। मुझे अपना प्लान बताकर आपने अपनी मौत के सर्टीफिकेट पर हस्ताक्षर कर दिये हैं। मैं यहां अकेला नहीं आया हूं। आज़ूना की सीक्रेट सर्विस और फौज के जवानों ने आपकी इस पूरी फैक्टरी को चारों तरफ से घेरा हुआ है। और आप मुझे जो जैकेट पहने देख रहे हैं, इसके एक बटन में बहुत ही शक्तिशाली माइक्रोफोन छुपा हुआ है, जिसके जरिए हमारी सारी बातचीत एक फौजी ट्रक में रखे टेपरिकॉर्डर पर रिकॉर्ड हो रही है और फौजी अफसर उसे सुन भी रहे हैं।
तुम झूठ बोल रहे हो!


ऑल राइट! मैं अपने साथियों से कहता हूं कि आपकी फैक्टरी के कम्पाउण्ड में एक छोटा बम फेंकें, ताकि आपको मेरी बात का यकीन आ जाए!
उसकी बात समाप्त होते ही बाहर एक धमाका हुआ!
धड़ाम!
ओह गॉड! यह तो सच कह रहा है!
मूसामेरवाईल का ध्यान हटते ही अमर ने उस पर छलांग लगा दी!
आह!
रोको इसे!
अमर मूसा से पिस्तौल छीनने में सफल हो गया। अगले पल —
तुम चारों को जिंदा नहीं रहना चाहिए। अगर तुम किसी तरह कानून से बच निकले तो फिर कोई दूसरा षड्यंत्र रच सकते हो, इसलिए मैं तुम्हें समाप्त कर डालूंगा!
नहीं!
लेकिन अमर को उन शैतानों पर दया नहीं आई और —
धांय!
धांय!
धांय!
धांय!
चार गोलियां चलीं और चारों यमदूत समाप्त हो गये।
फैक्टरी के बाहर छुपी हुई फौज तुरन्त फैक्टरी में घुस आई।
कुछ ही देर में पूरी फैक्टरी पर फौज का अधिकार हो गया।
समाप्त